आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई

शिव शक्ति स्वंय सहायता समूह
वी. एफ. डी. एस. यांगला

एस.एच.जी. नाम	शिव शक्ति
वी.एफ.डी.एस.नाम	यांगला
एफ.टी.यू./ रेंज	केलोंग
डी.एम.यू. /मंडल	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधारपरियोजना
(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्र. स.	विवरण	पृष्ट संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	4
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	5-6
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	7
7	उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण	7
8	उत्पादन हेतु नियोजन	8
9	बिक्री का विवरण	8
10	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	9
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	10
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	11-13
13	उद्यम लागत	14
14	धन की आवश्यकता	14
15	समूह की वित्तीय संसाधन	15
16	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	15
17	समूह का सहमती पत्र	16
18	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	17

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव , यांगला डा0 गोंदला,तहसील केलोंग, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेश में स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं| यांगला लाहौल मुख्यालय से लगभग 19 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है |

गांव यांगला, मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए सीधे तौर पर वन संसाधनों पर निर्भर हैं। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे लाहौल जिला भी शामिल है |

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्रामवन विकास समिति यांगला की सूक्षम योजना बनाई गयी है | परियोजना के माध्यम से यांगला में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन, "बिंदु स्वयं सहायता समूह" व "शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया।

इसके बाद "शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई का कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक अनुसूचित जन जाति से ताल्लुक रखते हैं । अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बुनाई करने का फैसला किया है | "शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह" समूह मे केवल महिलाएं शामिल है । इस समूह में 4 सदस्य शामिल है |

शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह की सूची

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	प्रोमिला (प्रधान)	प्रधान	33	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	8278740263
2	नेहा(सचिव)	सदस्य	21	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	7807266784
3	रोशनी	सदस्य	24	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	9015430747
4	कविता	सदस्य	22	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	7876600722
5	सुनीता	सदस्य	40	स्त्री	8वीं	अनुसूचित जन जाति	9816238423
6	राधिका	सदस्य	19	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	7018791950

3.स्वयं सहायता समूह विवरण

1	समूह का नाम	शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	यांगला
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	केलोंग
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	यांगला
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	6
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	40560207102
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	SBI गोंदला
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100

13	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
14	चुकौती की स्थिति	6 महीने

4.ग्राम की भौगोलिक स्थिति

1	जिला मुख्यालय से दूरी	19 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	गोंदला , 6 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 19 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	मनाली 51 किलोमीटर ,कुल्लू 91 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	मनाली, कुल्लू, भुंतर

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति यांगला में महिलायों का समूह गठित किया | जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मशीने प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3)व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं:

बुनाई - कोटी , स्वेटर , बच्चों के सेट , टोपी , जुराबे इत्यादि शामिल है |

(4)<u>समूह का निर्माण</u>

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है| तथा समूह का अध्यक्ष , सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(5)क्षमता का निर्माण:

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(6) मशीन इत्यादि का वितरण:

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके।

(7) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है। विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर ,मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी।

(8) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा।

(9) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर, केलोंग और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी।

(10)अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन का 75 % परियोजना द्वारा सहायता दी जाएग |शेष ,25 % सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण

1	उत्पाद का नाम	कोटी, स्वेटर, जुराबे बनाने का कार्य
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

6. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी वमफलर आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

समूह में 2 सदस्य स्वेटर बनाने का कार्य करेंगे।
समूह में 1 सदस्य बेबी सेट बनाने का कार्य करेंगे।
समूह में 1 सदस्य मफलर बनाने का कार्य करेगा।
समूह में 2 सदस्य जुराबे बनाने का कार्य करेगा।
समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

प्रशिक्षण के उपरांतसमूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा, जिसका विवरण इस प्रकार से है:-

स्वेटर-
विभिन्न डिजाइनों की स्वेटर 2 सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी, प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम किया जायेगा|
जुराबें-
विभिन्न डिजाइनों की जुराबे 2 सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी, प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम किया जायेगा|
बेबी सेट-
विभिन्न डिजाइनों के बेबी सेट 1 सदस्यों द्वारा तैयार किए जाएंगे, प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम किया जायेगा|
मफलर-
विभिन्न डिजाइनों के मफलर 1 सदस्य द्वारा तैयार किए जाएंगे, प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम किया जायेगा|

6. उत्पादन हेतु नियोजन-

प्रति माह कार्य दिवस : 30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले सदस्य : 6 सदस्य
कच्चे माल का स्रोत : केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत : केलोंग,कुल्लू

1	**उत्पादन चक्र 30 दिन प्रतिदिन 3–4 घंटे कार्य करेगें**	50 स्वेटर, 40 बच्चों के सेट 120 जुराबे, 60 मफलर
2	**प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)**	02 सदस्य स्वेटर के लिए, 01 मफलर के लिए 01बच्चों के सेट के लिए , 02 जुराबे के लिए ,**कुल सदस्य 6**
3	**कच्चे माल का स्त्रोत**	केलोंग,कुल्लू
4	**अन्य संसाधनों का स्त्रोत**	केलोंग,कुल्लू

7.बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली,कुल्लू
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 19 किलोमीटर ,मनाली 51 किलोमीटर ,कुल्लू 91 किलोमीटर
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू
5.	मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा
6.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर की महिलाएँ / पुरुष
8.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई
9.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	1. कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा

8.समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे |

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (Swot Analysis)

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

9.संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र0सं0	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

10. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना-

1) पूंजीगत व्यय (सामान्य श्रेणी)

क्र.	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	आटोमेटिक कार्ड मशीन	3	26500	79500/-	59625/-	19875/-
2	ऊन कताई की मशीन	1	4500	4500/-	3375/-	1125/-
	योग	4		84000/-	63000/-	21000/-

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे |

2) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है |

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1.	परिवहन खर्चा	-		L/S	1000
2.	किराया कमरा	महीना		L/S	1000
	कुल				**2000**
स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	30	700	21000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	40100
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**25900/-**
बच्चों के सेट					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**18650/-**

जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	7	300	2100
3	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
4	मजदूरी	दिन	20	200	4000
5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**20750/-**
टोपी और मफलर					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	15	700	10500
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**15100/-**
	योग				**82400/-**

3) – उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए)

क0	विवरण	धनराशि (रु0)
1	कुल आवर्ती लागत	82400
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	700/-
	योग	**83100/-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र) :

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	**उत्पादन की लागत**				
	स्वेटर	नंबर	50	600	30000
	बच्चों के सेट	नंबर	40	150	6000
	जुराबे	नंबर	120	100	12000
	मफलर	नंबर	60	75	4500
	कुल लागत		270 नग		**52500/-**
2	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	स्वेटर		50	1000	50000
	बच्चों के सेट		40	300	12000
	जुराबे		120	200	24000
	मफलर		60	150	9000
	योग		270 नग		**95000/-**
3	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	स्वेटर	60%	50	400	20000
	बच्चों के सेट	50%	40	150	6000
	जुराबे	50%	120	100	12000
	मफलर	90%	60	75	4500
	योग		270 नग		**42500/-**

11. उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

मद	धनराशि (रू)
पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	700/-
आवर्ती व्यय	82400/-
योग	**83100/-**
कुल उत्पादन (270 नं० में)	प्रतिमाह / 270 न0
उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**95000/-**
उत्पादन की बुनाई से आय (270नं०)	**42500/-**
कुल लाभ =बिक्री मूल्य –(पूंजीगत व्यय ह्रास + आवर्ती व्यय) = 95000 – (700 +82400)	11900/-
उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ + कमरा मजदूरी एवं+ किराया = 11900 + 16000 + 1000	28900/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा |

12. धन की आवश्यकता -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क0स0	विवरण	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	84000
2	आवर्ती व्यय	82400
3	अन्य व्यय	10000
	योग	**176400/-**

13.समूह के वित्तीय संसाधन –

क0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी **75** % पूंजीगत व्यय	63000
2	लाभार्थी अंश **25**% पूंजीगत व्यय	21000
3	अन्य व्यय	10000
	योग	**94000/-**

14.सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

=84000 /95000 – 82400 = 84000/ 12600

= 6.66 **माह** = 6.66 x 30 = 200 दिन

उपरोक्त अनुपात में 270 नग बुनाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट" **200** दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी **200** दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

सहमती पत्र

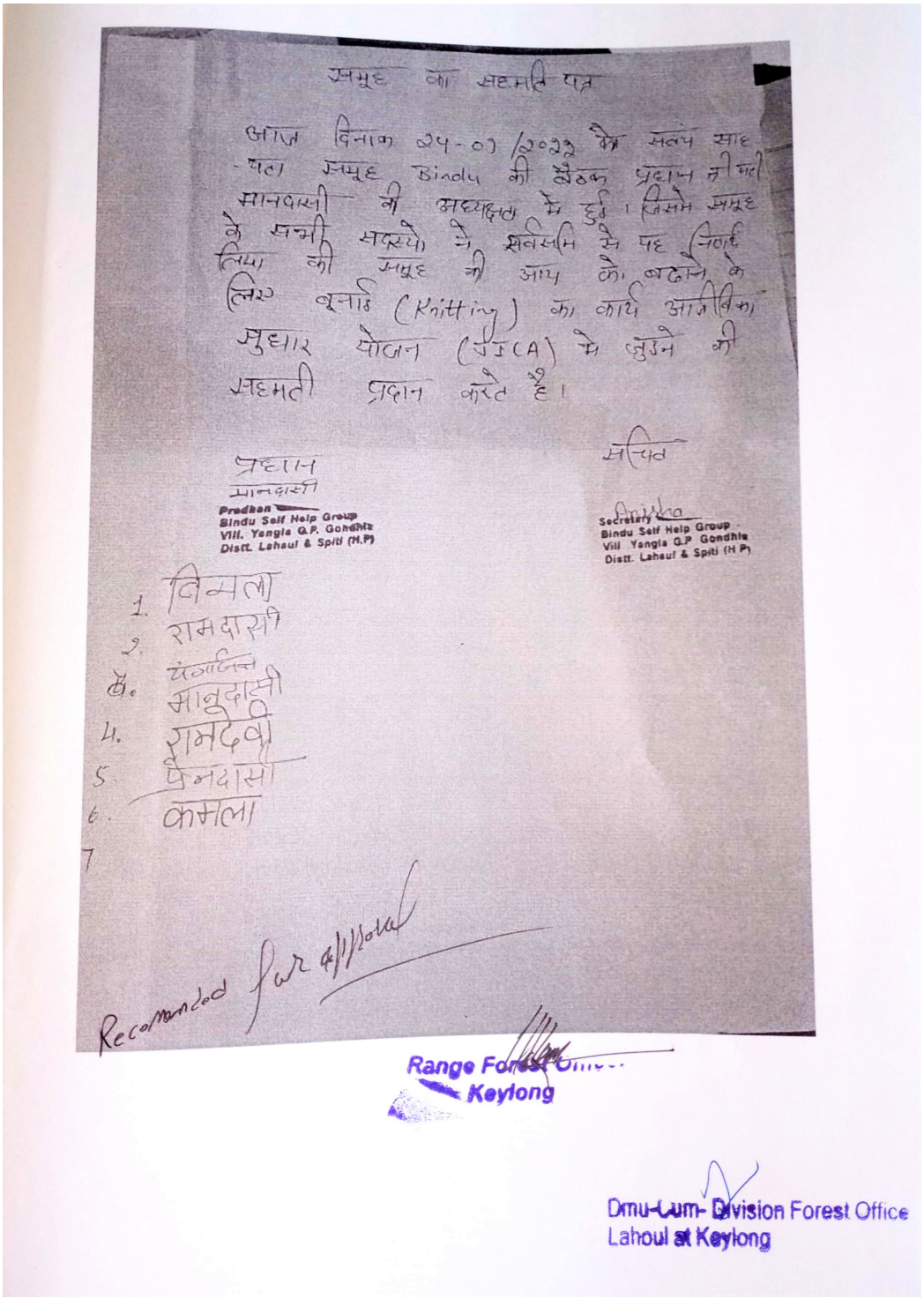

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 24-07/2023 को स्वयं सहायता समूह Bindu की बैठक प्रधान श्रीमती मानदासी की अध्यक्षता मे हुई। जिसमे समूह के सभी सदस्यो ने सर्वसम्मि से यह निर्णय लिया की समूह की आय को बढाने के लिए बुनाई (Knitting) का कार्य आजीविका सुधार योजना (JICA) मे जुड़ने की सहमती प्रदान करते है।

प्रधान
मानदासी
Pradhan
Bindu Self Help Group
Vill. Yangla G.P. Gondhla
Distt. Lahaul & Spiti (H.P)

सचिव
Secretary
Bindu Self Help Group
Vill Yangla G.P Gondhla
Distt. Lahaul & Spiti (H P)

1. विमला
2. रामदासी
3. चन्द्रकान्ता
   मानुदासी
4. रामदेवी
5. प्रेमदासी
6. कमला
7.

Recommended for approval

Range Forest Officer
Keylong

Dmu-Cum-Division Forest Office
Lahoul at Keylong

शिव शक्ति समूह के सदस्यों के फोटो

नेहा	सुनीता	कविता
रोशनी	प्रोमिला	राधिका